Request to make law against live-in-relationship

माननीय सभापति **:** श्री धर्मवीर सिंह जी ।

श्री धर्मवीर सिंह **(**भिवानी**-**महेन्द्रगढ़**) :** सभापति जी, मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही ज्वलंत और गंभीर मामला सदन व सरकार के संज्ञान में लाना चाहता हूं। जैसा कि सर्वविदित है कि पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति ?वसुधैव कुटुम्बकम्? एवं समागम व भाईचारे के लिए जानी जाती है। हमारा सामाजिक ताना-बाना दुनिया में सबसे अलग है। पूरी दुनिया के लोग भारतीय संस्कृति की विभिन्नता में एकता के कायल हैं।

भारतीय समाज में सदियों से तयशुदा शादियों की परंपरा रही है। आज भी देश में लोगों का एक बड़ा हिस्सा अपने माता-पिता या सम्माननीय पारिवारिक सदस्यों द्वारा तय की गई शादियों को ही प्राथमिकता देता है, जिसमें दूल्हा-दुल्हन की सहमति भी होती है। तयशुदा शादियां कई चीजों का मेल कराने के आधार को ध्यान में रखकर निर्धारित की जाती हैं। जैसा कि सामाजिक व व्यक्तिगत मूल्य व पसंद और साथ ही उनके परिवारों की पृष्ठभूमि को भी प्राथमिकता दी जाती है। जैसा कि सर्वविदित है कि भारत में शादी को एक पारिवारिक पवित्र बंधन माना जाता है, जो सात पीढ़ियों तक चलता रहता है। भारत में शादियों को जीवन भर चलाने के लिए माना जाता है। यहां तलाक की दर संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की 40 परसेंट की तुलना में मात्र 1.1 परसेंट है। यह देखा गया है कि तयशुदा शादियों में तलाक की दर बहुत कम होती है। हालांकि, हाल के वर्षों में तलाक दर में काफी वृद्धि हो रही है, जिसमें ज्यादातर वजह प्रेम विवाह होता है। इसलिए मेरा एक सुझाव है कि प्रेम विवाह में लड़का-लड़की के मां-बाप की सहमति को जरूरी बनाया जाए, क्योंकि भारत में एक बहुत बड़े भाग में सेम गोत्र व एक ही गांव में शादी नहीं होती है, इसलिए प्रेम विवाह से गांव में झगड़े बहुत होते हैं। इन झगड़ों में खानदान के खानदान बर्बाद हो जाते हैं, इसलिए दोनों परिवारों की सहमति जरूर बनाई जाए।

सभापति महोदय, आजकल समाज में एक नई बीमारी ने जन्म लिया है। वैसे तो यह बीमारी पश्चिमी देशों की है। इस बुराई व सामाजिक बुराई को लिव इन रिलेशनशिप कहते हैं। लिव इन रिलेशनशिप एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें दो लोग महिला या पुरुष बिना शादी के साथ रहते हैं। इस प्रकार के संबंध विशेष रूप से पश्चिमी देशों में बहुत आम हो चुके हैं, लेकिन यह बुराई अब हमारे यहां पर तेजी से फैल रही है। इसका नतीजा भी भयानक है। हाल ही में श्रद्धा और आफताब का मामला सामने आया था, जिसमें दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रहते थे। ऐसा कोई एक उदाहरण नहीं है, बल्कि रोजाना कोई न कोई केस सामने आ जाता है। इससे हमारा कल्चर तो बर्बाद हो ही रहा है, वरन् समाज में नफरत व बुराई भी फैल रही है। दुनिया हमें जिस सभ्यता व संस्कृति के लिए जानती थी, अगर यही हाल रहा तो हमारी संस्कृति एक दिन दम तोड़ देगी और हम में और उनमें कोई फर्क नहीं रहेगा।

इस संबंध में मेरा माननीय मंत्री जी से निवेदन है कि लिव इन रिलेशनशिप के खिलाफ जल्द से जल्द कानून बनाया जाए, ताकि समाज से यह खतरनाक बीमारी खत्म हो सके।